लखनऊ से प्रकाशित राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक

website: www.pawanprawah.com

पवन प्रवाह

सत्य का प्रवाह सतत् प्रवाह

डाक पंजीयन संख्या GPO LW/NP-106/2015-17

वर्ष 03 अंक 52 लखनऊ। सोमवार 18 से 24 सितम्बर-2017

e-mail-pawanprawah@gmail.com

मूल्य : तीन रूपये पृष्ठ-16

प्राणिक ऊर्जा : विशिष्ट उपचार

लेखक डॉ. भरत राज सिंह

स्कूल ऑफ मैनेजमेंट साइंसेज के महानिदेशक एवं वैदिक विज्ञान केन्द्र के अध्यक्ष हैं

पिछले 16 (सोलह) अंकों में हमने भौतिक शरीर में ऊर्जा का संचार व उससे उत्पन्न ऊर्जा (आभा), जो भौतिक शरीर के कुछ क्षेत्र तक प्रभावी रहती है तथा प्राण के स्त्रोत, रंग प्राण व उसमें मुख्यतः प्राणिक ऊर्जा (शक्ति) किसे कहते हैं व क्या लाभ हैं, भौतिक शरीर में चक्रों का क्या महत्व है व इससे शरीर की ऊर्जा का संतुलन कैसे प्रभावी होता है: ऊर्जा (आभा) के परत, उनका महत्व और उससे शारीरिक स्वास्थ्य में, क्या लाभ होगा, तथा शारीरिक रोगों के निदान में प्राणिक उपचार (हीलिंग), ऊर्जा के सात चक्रों को जाग्रित करने के बारे में तथा मौलिक उपचार के लिए स्तर-I व विशिष्ट उपचार स्तर-II में प्रत्यक्ष ऊर्जा के लिए विजुअलाइजेशन व अवरूद्ध चक्र, औरिक ऊर्जा की अशुद्धिया, आभा और चक्रों के गूढ़ ज्ञान, सहज ज्ञान से आभा और चक्रों को पढ़ने की जानकारी से पूर्णतः अवगत हुये थे। इस अंक में, सहज ज्ञान से आभा और चक्रों को पढ़ने का अवशेष भाग बताया गया है।

(भाग-17)

क्रमशः 16.2 भाग का अवशेष...: आभा को देखने के लिए उचित दृष्टिकोण रखना अति महत्वपूर्ण है। मानव आभा को देखने का प्रयास कुछ 'काम' करने या ध्यान केंद्रित करने के लिए नहीं है, वास्तव में, खुद की टकटकी दृष्टि नरम होना चाहिए और थोड़ा ध्यान केंद्रित करना चाहिए, जैसे कि आप 'ऑफ-सेंटर' या आँखों के साथ थोड़ा ध्यान से अलग, ग्रहणशील सिद्धांत के अनुसार, आंखों का उपयोग करने वाले क्षेत्र को देख रहा है। अब आंखों को आराम दें और जो भी सूचनाएं आती हैं, उसे नोटिस करने के लिए आंखों में चमक देखना सीखें। यह कुछ ऐसा नहीं है जिसे आप काम करते अनुभव कर सकते हैं, परंतु आपको कुछ आराम करते हुये, अपने दिमाग में शांति कर और अपेक्षा रहित होकर प्रयास करना चाहिए ।

सभी पूर्वाग्रहों को छोड़कर आभा देखने के लिए, अपने शुद्ध विचारों के साथ जागरूक होकर, यह क्या दिखेगा या क्या महसूस होगा, एक सूक्ष्म अनुभव करें। विश्वास है कि आपको क्षेत्र की सहजता को पढ़ने में अंतर्ज्ञान तकनीक का अभ्यास करते हुये, पहले सहज ज्ञान युक्त प्रभाव पर भरोसा करना होगा तथा आभा को देखने के लिए अपने प्रयासों में अब इंप्रेशन पर भरोसा होने लगेगा।

एक ऐसी तकनीक है जो आपको आभा देखने के लिए सीखने में सहायता करेगी। इसे देखने के लिए सीखने में आप ऐसी बुनियादी अवधारणाओं का उपयोग करेंगे जो आपको सहज ज्ञान युक्त तकनीक में नियोजित किया है। आप (ग्रहणशील सिद्धांत में) आभा के इंप्रेशन को अपने अंतरचक्षु में पहले बनने दे और फिर अपनी शारीरिक आंखों के साथ इस सहज धारणा की पुष्टि करने का प्रयास करें। इस तरह से प्रभामंडल को देखना सीखना आसान है, क्योंकि आभा मन की आंखों के साथ पहले देखा जाता है और फिर भौतिक आंखों के साथ। इस प्रकार आभा को देखने के लिए आपकी धारणा इसे आसान बनाता है और क्षमता को पूर्ण करने के लिए कार्य करता है और आप आभा को देखने में अधिक से अधिक सक्षम होते हैं। इस प्रकार आप इसे भौतिक आंखों संयोजन के साथ दिमाग की आंखों से देखेंगे।

आभा का पहला भाग जो आभा की पहली परत या ईथर शरीर है, आप शायद देखने में सक्षम होंगे। यह आपको एक हल्के भूरे, हल्के नीले या रंगहीन 'धुंध' के रूप में शरीर की सतह के आसपास दिखाई देगा, जो एक आधा इंच से एक इंच या त्वचा की सतह के ऊपर होता है। यह धुंध एक अतिरंजित प्रकाश है, एक बहुत अच्छा धारणा है, और एक शारीरिक प्रकाश के रूप में ऐसा दिखाई नहीं दे सकता है। यदि आप उचित तरीके से आभा को देखने के लिए अपना दृष्टिकोण बनाते हैं, तो आपको ज्ञात होना चाहिए कि इस पहली परत देखने का प्रयास करना बहुत मुश्किल नहीं है।

कभी-कभी शरीर की विशिष्ट भागों के आसपास इसे देखने का प्रयास करके आभा की यह पहली परत देखना सबसे आसान है और ईथरिक परत को समझने में इसकी अच्छी शुरुआत है और आप अपने हाथों के आसपास आभा की इस पहली परत को देखने का अनुभव कर सकते हैं।

अपने हाथों को अपने सामने से पकड़े और आराम से उंगलियों को धीरे-धीरे फैलाये। अब एक पल के लिए, आप अपने हाथों में से एक के आस-पास के क्षेत्र में हथेलियों पर ध्यान रखें। हाथ के आकार और इसके आस-पास का क्षेत्र पर अपने सक्रिय दिमाग के साथ, अब ग्रहणशील चरण में आराम करें । ध्यान रखें कि आपकी मन की आंखों में आपकी शारीरिक आंखों से स्वतंत्र रूप से कुछ छाप छोड़ सकता हैं। अब आप अपने मन की आंखों में क्या प्रभाव लेते हैं? क्या आप अपने हाथों के चारों ओर कुछ भी 'देखते हैं' जैसे कि एक धुंधता, धुंध या आपके हाथों से प्रकाश की एक परत? अब, अपने टकटकी को डी-केंद्रित करते हुये और आराम से ढील दें, अपनी शारीरिक आँखों से अपने हाथ पर वापस देखो और

अपनी शारीरिक आंखों के साथ अपने हाथों के आभा को देखने का प्रयास करें। अपने मन में अपनी शारीरिक आंखों की पुष्टि करने के लिए प्रयास करें तथा इस चक्र को कई बार दोहराएं। अब आप अपने दिमाग में एक मजबूत प्रभाव बनाने की कोशिश करें और सम्भवतः अपने हाथ के आस-पास आभा को आसानी से देख सकेंगे। इस तरह से अपने हाथों के आभा को देखने के प्रयास के बाद, प्रतीकों का प्रयोग करते हुये ऊर्जा को कॉल करें, जैसा कि शुरुआती उपचार मे वर्णित है। ऊर्जा निर्माण को अपने हाथों में लाने के लिए प्रयास करें। फिर से प्रतीकों के चमकदार तकनीक को दोहराएं। अब उसी तकनीक का उपयोग करके अपने हाथों में से एक के आस-पास आभा देखने का प्रयास करें। इसे कई बार दोहराते हुये आप अपनी सोच बढ़ायें कि क्या देखते हैं? क्या आपके हाथों के आभा के स्पष्ट आकार या उसके तीव्रता के बीच कोई अंतर है? क्या आपके हाथों में ऊर्जा लाने में आभा को देखना आसान है? ऊर्जा को लाकर, आप अपने हाथों के आस-पास ऑरिक फ़ील्ड को बढ़ा रहे हैं और इससे आपके हाथों के आसपास आभा की चमक आसानी से दृश्यमान हो रही है। अपने दोनों हाथों के आस-पास आभा को देखें-क्या आप उनके आसपास की रोशनी देख रहे हैं?

दूसरों के शरीर के विशिष्ट हिस्सों के आसपास आभा को देखने का अभ्यास करना भी संभव है, विशेषकर उसके सिर, जिसका ईथरिक परत कभी-कभी आसानी से दिखाई देती है। इस बुनियादी दर्शन तकनीक का अभ्यास, पूरे दिन में कई बार करने से, आभा की पहली परत को देखने की क्षमता बढ़ाने में अक्सर सहायता मिलती है। इस प्रयास में कुछ सफलता मिलने के बाद व उपचार के पहले, आभा की पूरी पहली परत को देखने का प्रयास करना आवश्यक है। अपने मरीज शरीर के आकार के आस-पास के क्षेत्र में, अपने 'सक्रिय मन' से उपचार के मेज पर, पूरे शरीर का आभा देखने का प्रयास करें-खुले स्थान के पास की जगह, जहां शरीर की सतह के आस-पास आभा होना चाहिये-एक संक्षिप्त क्षण के लिए फिर अपनी आँखों को बंदकर ग्रहणशील अवस्था में छोड़ दें और अपने मन की आंखों को जागरूक होने दें। आप अपने मन की आंखों में क्या देखते हैं? आप अपने मस्तिष्क की आंखों में अब भी अपने मरीज के शरीर के आकार को देख सकते हैं, लेकिन क्या उसके आस-पास कुछ-एक खोल, एक धुंध या शरीर की सतह के पास मंद प्रकाश की एक परत है? इस प्रक्रिया को कई बार दोहराएं, प्रत्येक बार आपके दिमाग में एक आकृति बनेगी। यह उसी प्रकार से होगा कि आप कमरे के अंदर जल्दी से देखें और फिर उससे दूर हटा लें। इस प्रक्रिया की कुछ तेज गति देने पर नज़रों के सामने आपको कमरे में इस तरह की एक आकृति लगने लगती है जो आपके दिमाग में आती है। इसी तरह, आपको अपने मरीज की आंखों में, अपने मरीज की आभा की कुछ आकृति भी मिलने लगेगी।

अपने दिमाग की आंखों में कुछ आकृति पाने के बाद, अपनी शारीरिक आँखों के साथ अपने रोगी पर वापस देखें-अपनी आखों की टकटकी हटाये और ग्रहणशील अवस्था में आये। इस समय कुछ भी देखने का प्रयास न करें-बस आराम अवस्था में अपनी आँखों को फोकस करें, जो कुछ विजुअल इंप्रेशन बना रहा है, उसे अनुभव करें। क्या आपके मन की आंखों में बनी कोई भी आकृति आपकी शारीरिक आंखों में भी दिखाई देता है? फिर से इस तकनीक को दोहराएं, पहले मन की आंखों में बनी आकृत और फिर भौतिक आंखों के साथ, यह देखने के लिए कि क्या आप अपनी आंखों को देख सकते हैं, जो आप अपने दिमाग में देख रहे हैं। यह संभव है कि आप अपने रोगी के आभा की ऊर्जावान घटनाओं के बारे में कुछ समझना शुरू कर दें, इसका आप अभ्यास करते रहें।

इस सक्रिय और ग्रहणशील सिद्धांतों का उपयोग के लिये इसे बार-बार दोहराना होता है और तब आपके मन की आंखों में एक धारणा बन जाएगी और इसे सामान्य प्रभाव से अधिक अभ्यास करने की आवश्यकता होगी और विशेष रूप से तब, जब आपकी शारीरिक आँखों में आभा के दिखाई देना शुरू हो जाती हैं ।

आपको अपने रोगी के ईथर शरीर को देखने में सफल होने के बाद, यह भी संभव है कि समय के साथ, आप भावनात्मक शरीर के रंग, आभा की दूसरी परत देखना शुरू कर दें। आभा को देखने के अपने इन प्रयासों के दौरान, आप नजर तकनीक के अभ्यास के दौरान सामान्य स्थिति में, शरीर के कुछ हिस्से में एक निश्चित रंग की आकृत छोड़ सकते हैं। आप नहीं सोच सकते कि आपकी आंखें कुछ भी दिखाई देती हैं, लेकिन आपके मन की आंखों में आप 'पीले' रंग सोच सकते हैं। इस धारणा को हटने मत दो, क्योंकि यह आभा में रंगों के बारे में जानने की शुरुआत है और यदि आप आसानी से इस धारणा को महसूस करना बनाए रखते हैं, तो आप कुछ समय में आप अपनी आंखों से आभा के रंग देख सकते हैं। यह एक बहुत अच्छा अनुभव होगा, लेकिन यह वास्तविक होगा रंग के आपके छापों पर भरोसा करें, और आप पाएंगे कि आपने जानबूझकर एहसास किया है। इससे पहले कि आप वापस नज़र आ सकें और अपने मरीज के आसपास आभा के रंगों के कुछ नज़रिये को प्राप्त करने में कुछ समय और अधिक अभ्यास करें।

जैसा कि आप अभ्यास करते हैं, बस रंग आने दो। अपना अभ्यास जारी रखें, और आप अंततः शरीर की सतह के चारों ओर विभिन्न रंगों को देख सकते हैं, और विशिष्ट विवरण भी। सबसे पहले, आपके मन की आंखों में, और फिर, अधिक अभ्यास के साथ, शायद आपकी शारीरिक आंखों के साथ भी। क्या विशिष्ट अंधेरे या रंगीन क्षेत्र दिखाई देते हैं? पैटर्न? आप आभा की दूसरी परत के रंग, भावनात्मक शरीर को देखना शुरू कर सकते हैं। आप पैटर्न या रंगों में भी आंदोलन देख सकते हैं

याद रखें कि आभा कुछ ऐसा नहीं है जो अकेले आँखों से देखा जाता है। उदाहरण के लिए, आप हाथों को देख सकते हैं, और एक आकृति, रूप और आंदोलन वाले पैटर्न देख सकते हैं, लेकिन आप उन्हें उसी तरह नहीं देख सकते हैं कि आप एक टेबल या कुर्सी देखेंगे, क्योंकि रंग और पैटर्न केवल देखा नहीं जा सकते हैं आँखों के साथ यदि जागरूकता के लिए उन्हें देखने की आवश्यकता थी, तो अकेले भौतिक आंखों का एक उत्पाद था, हर कोई हमेशा आराओं को देखता था। आपको अपनी आंखों के साथ अपनी आंखों से देखने से पहले आभा और उसकी घटना को अपने दिमाग की आंखों से देखना शुरू करना चाहिए। जैसा कि आप आभा को सहजता से देखना शुरू करते हैं, आप अपनी आंखों के साथ जो कुछ भी सोचते हैं वह सब का पता लगाएगा, और इन दोनों प्रकार के देखने में अंततः कोई अंतर नहीं है। ***अवशेष अगले अंक में पढ़ें...***